HOROSCOPETIMES

.COM

Disclaimer:

Astrology is a science which deals in the effects of planets on living beings. To predict its effects, one has to calculate the position of planets & their strengths. Calculations as prepared by Horoscopetimes in this horoscope are very accurate and true apparent longitudes have been used for all the planets. The Ayanamsa adopted is Chitrapaksha Ayanamsa, unless & until other ayanamsa is asked for.

This horoscope is based on Date, Time and Place of Birth provided by the native and we do not stand any responsibility for the accuracy of this data. Astrological calculations & predictions are all based on this basic input given by the native.

Predictions given in the horoscope are indicative tendencies and likelihood and not strict guidelines for action by native. User is suggested to treat these predictions & suggestion with due care and caution.

The horoscope and the information given in the following pages shall not be made a cause of legal dispute for any actual or consequential loss to the native. No cause of action for any damages or otherwise can therefore be entertained.

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

KDP		Neha

क्रम : 1108 / Customers . 1 . 53   मॉडल : M1   दिनाँक : 01/02/2009

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/11/1985	जन्म तिथि	23-24/09/1986
रविवार	जन्म दिन	मंगलवार-बुधवार
16:10:00	जन्म समय	05:30:00
23:49:29	जन्म समय (घटी)	58:03:22
India	देश	India
Nandurbar	स्थान	Jaipur
उत्तर 21:22:00	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
पूर्व 74:18:00	रेखांश	75:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
- 0:32:48	स्थानिक समय संस्कार	- 0:26:40
0:00:00	युद्ध/ग्रीष्म समय संस्कार	0:00:00
15:37:12	स्थानिक समय	5:03:20
6:38:12	सूर्योदय	6:16:39
17:54:29	सूर्यास्त	18:21:17
23:39:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:40:11
मीन	लग्न	सिंह
गुरु	लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	वृष
बुध	राशि स्वामी	शुक्र
आर्द्रा	नक्षत्र	रोहिणी
राहु	नक्षत्र स्वामि	चन्द्र
4	चरण	2
सिद्ध	योग	सिद्धि
गर	करण	वणिज
छत्रपति-छ	जन्म नामाक्षर	व-वाणी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

दशा का भोग्यकाल
राहु
0 व 7 मा 4 दि

शनि	19 वर्ष
	09/06/2002
	09/06/2021
शनि	12/06/2005
बुध	20/02/2008
केतु	31/03/2009
शुक्र	31/05/2012
सूर्य	13/05/2013
चन्द्र	12/12/2014
मंगल	21/01/2016
राहु	27/11/2018
गुरु	09/06/2021

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
15:25:56	मीन	लग्न	सिंह	25:56:47
17:17:52	तुला	सूर्य	कन्या	6:58:57
19:33:28	मिथु	चन्द्र	वृष	13:40:47
10:36:37	कन्या	मंगल	धनु	28:43:57
9:44:49	वृश्चि	बुध	कन्या	21:09:04
15:01:14	मकर	गुरु व-	कुम्भ	22:29:20
28:36:33	कन्या	शुक्र	तुला	19:00:13
4:44:33	वृश्चि	शनि	वृश्चि	11:10:44
15:36:00	मेष -व	राहु	मीन	27:22:17
15:36:00	तुला -व	केतु	कन्या	27:22:17
22:23:41	वृश्चि	हर्ष	वृश्चि	25:00:06
7:54:51	धनु	नेप	धनु	9:23:33
11:16:43	तुला	प्लू	तुला	12:11:53
12:42:49	धनु	दशम भाव	वृष	25:38:08

दशा का भोग्यकाल
चन्द्र
7 व 2 मा 26 दि

राहु	18 वर्ष
	20/12/2000
	20/12/2018
राहु	02/09/2003
गुरु	26/01/2006
शनि	02/12/2008
बुध	21/06/2011
केतु	09/07/2012
शुक्र	09/07/2015
सूर्य	02/06/2016
चन्द्र	02/12/2017
मंगल	20/12/2018

चित्रपक्षीय अयनांश: 23:39:20 अंश

लग्न एवं चलित

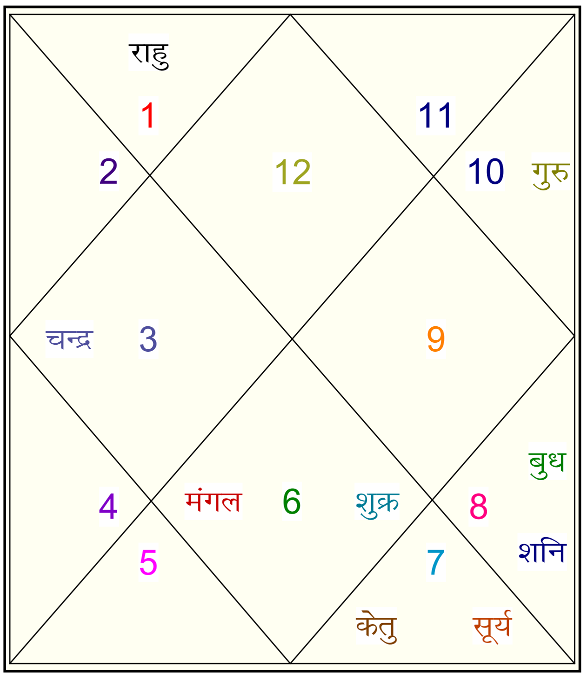

लग्न एवं चलित

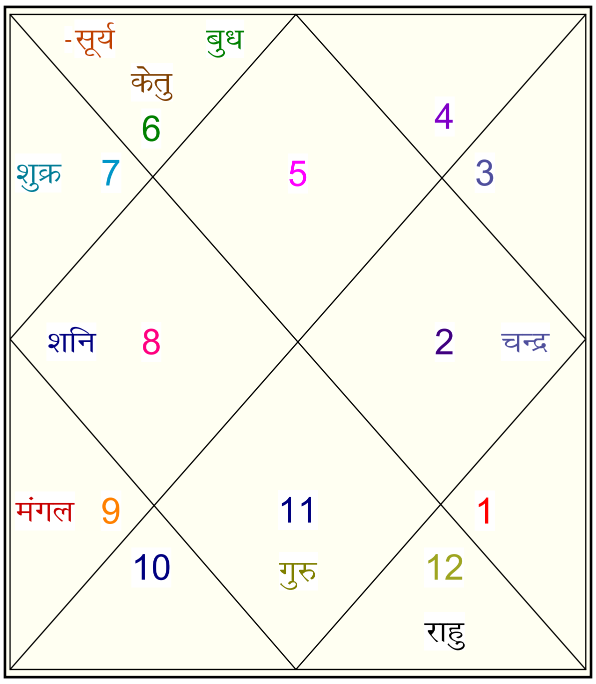

KDP Neha

चन्द्र

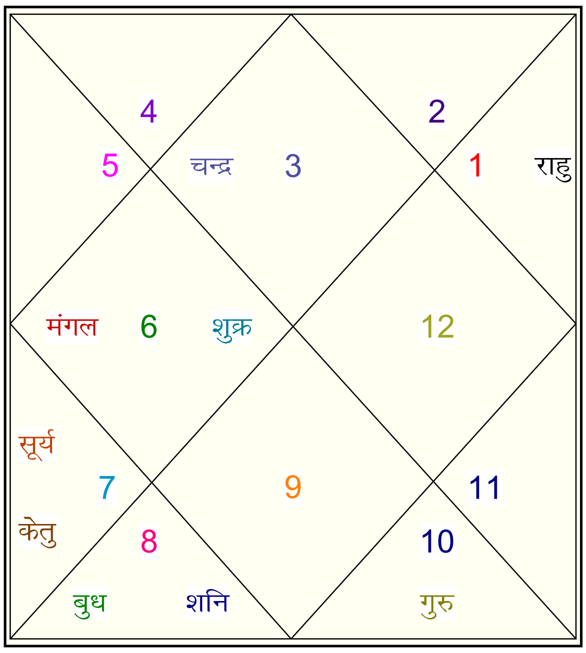

चन्द्र

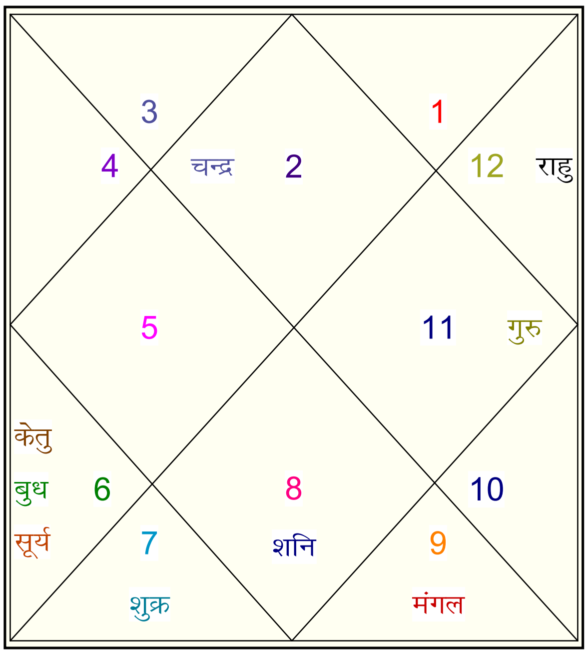

नवमांश

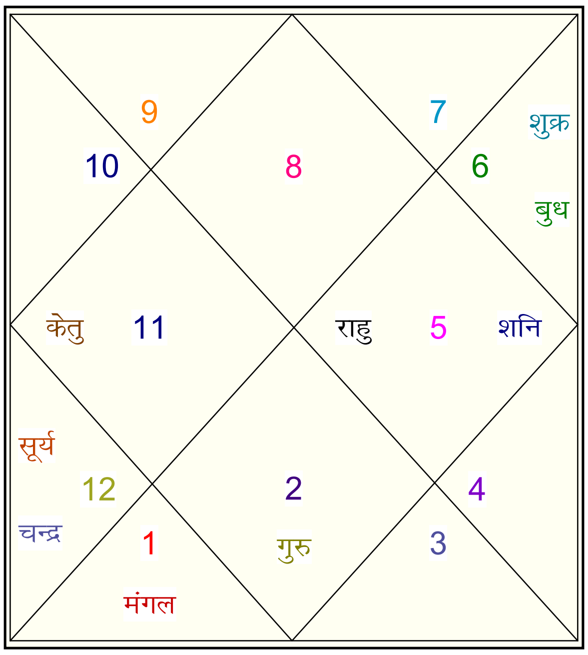

नवमांश

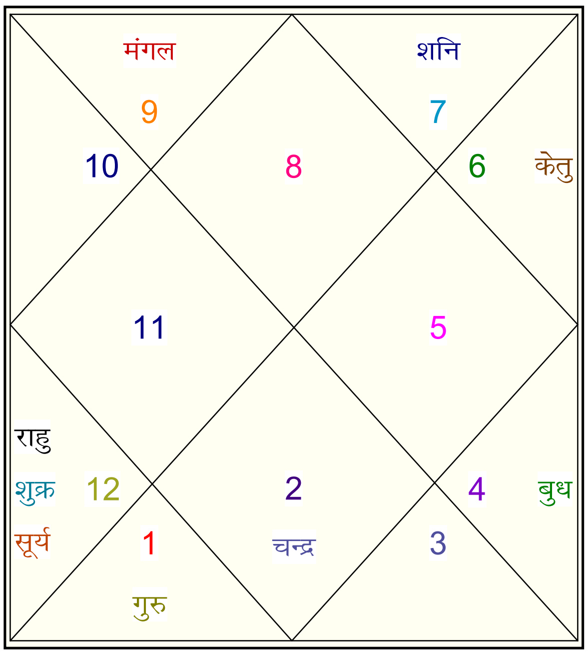

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	दोष	अधिकतम	प्राप्त	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	--	1	0	जातीय कर्म
वष्य	मानव	चतुष्पाद	--	2	1	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	--	3	1.5	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	--	4	2	यौन-विचार
ग्रहमैत्री	बुध	शुक्र	--	5	5	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	--	6	6	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	हां	7	0	जीवन-शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	--	8	8	स्वास्थ्य/संतान
कुल				36	23.5	

- भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

- KDP का वर्ग सिंह है तथा Neha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

- अष्टकूट मिलान के अनुसार KDP और Neha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

KDP मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि KDP कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Neha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

KDP तथा Neha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।